राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 3 अंक 282

मूल्य ₹6.00, नई दिल्ली, शुक्रवार, 20 मार्च 2020

www.jagran.com

पृष्ठ 16

मौजूदा हालात में ओलंपिक को स्थगित कर देना ही बेहतर : गोपीचंद

>> 14

पीएम की अपील, रविवार को जनता कर्फ्यू

राष्ट्र के नाम संदेश ▶ संकल्प और संयम से लड़ें कोरोना महामारी से, यह मत सोचें कि हम बचे हुए हैं

लोगों से कुछ हफ्ते घर में रहने को कहा, बच्चे और बुजुर्ग बाहर न निकलें

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

वैश्विक महामारी कोरोना के कहर से बचाव के लिए एक तरफ जहां जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं, वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसकी कड़ी तोड़ने के लिए जनभागीदारी की अपील की है। कोरोना को लेकर राष्ट्र के नाम संबोधन में उन्होंने कहा कि फिलहाल इसका कोई इलाज नहीं है और बचाव ही सबसे बड़ा उपाय है। उन्होंने जनता से अपील की कि वह कुछ हफ्ते घर से बाहर न निकलकर इस संक्रमण से बचें। उन्होंने कहा कि आगामी रविवार को सुबह 7 से रात 9 बजे तक सभी लोग जनता कर्फ्यू के तहत अपने घर में ही रहें। यह जनता के लिए, जनता के द्वारा लगाया गया कर्फ्यू होगा। कोरोना के खिलाफ सफल लड़ाई के लिए कुछ वक्त की मांग करते हुए प्रधानमंत्री ने यह संदेश दे दिया है कि आने वाले कुछ दिनों तक संयम और संकल्प के साथ काम करना होगा।

- 22 मार्च सुबह 7 से रात 9 बजे तक महामारी से बचाव को सब खुद पर लगाएं कर्फ्यू
- प्राइवेट सेक्टर से आग्रह, कर्मचारियों के वेतन नहीं काटें
- आश्वासन दिया, जरूरी सामानों की कमी नहीं, बेवजह संग्रह न करें

गुरुवार को कोरोना वायरस महामारी पर राष्ट्र के नाम संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। प्रेट्र

मोदी मंत्र

- पीएम ने 'हम स्वस्थ तो जग स्वस्थ' का नारा दिया, बचाव ही सबसे बड़ा उपाय
- आवश्यक सेवाओं में जुटे लोग राष्ट्र रक्षक, वो कोरोना और आपके बीच खड़े हैं
- प्रत्येक भारतीय को सतर्क और सजग रहने की जरूरत

> कोरोना ने विश्व भर में पूरी मानव जाति को संकट में डाल दिया है। प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध में भी इतने देश प्रभावित नहीं हुए थे।
> -नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

फिलहाल भारत ऐसे देशों में शुमार है जहां कोरोना का बहुत असर नहीं दिखा है। लेकिन प्रधानमंत्री ने आगाह किया कि ऐसी सोच ठीक नहीं है कि हम बचे हुए हैं। कई देशों में देखा गया है कि यह एकबारगी बहुत तेजी से फैलता है। अभी तक कोरोना के लिए कोई वैक्सीन तैयार नहीं हुई है। ऐसे में एहतियात जरूरी है। आधे घंटे के संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा, 'मैं आप सबसे अपील करता हूं कि अगले कुछ हफ्ते आप सब अपने घरों से बाहर न निकलें। बाहर तभी निकलें जब बहुत जरूरी हो। आप व्यापारी हों या सर्विस क्लास, जहां तक हो सके घर से ही काम करें।' उन्होंने कहा, 'कोरोना ने विश्व भर में पूरी मानव जाति को संकट में डाल दिया है। प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध में भी इतने देश प्रभावित नहीं हुए थे....आज मैं आप सबसे कुछ मांगने आया हूं। मुझे आने वाले कुछ सप्ताह चाहिए।' दरअसल जनता कर्फ्यू के जरिए प्रधानमंत्री देशवासियों में सोशल डिस्टेंसिंग की आदत डालना चाहते हैं ताकि कम्युनिटी ट्रांसमिशन का खतरा कम हो। उन्होंने राज्यों से भी आग्रह किया कि वह 'जनता कर्फ्यू' को लागू कराने में मदद करें।

कर्फ्यू से सिर्फ डॉक्टर, मीडिया आदि को छूट : उन्होंने कहा कि जनता कर्फ्यू में सिर्फ डॉक्टर, मीडिया, अस्पतालों व एयरपोर्ट पर काम करने वाले लोगों को ही छूट मिलेगी। यही कारण है कि प्रधानमंत्री ने आग्रह किया कि इस दौरान रूटीन चेकअप, किसी ऐसे ऑपरेशन जिसे टाला जा सकता हो, उससे भी बचें। प्रधानमंत्री ने डॉक्टरों, मीडिया, सफाई कर्मचारियों, होम डिलीवरी करने वाले कर्मियों आदि के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि जनता कर्फ्यू के दौरान भी शाम पांच बजे पांच मिनट के लिए घर के दरवाजे या बालकनी से ताली, थाली या घंटी बजाकर ऐसे लोगों को धन्यवाद दें। प्रधानमंत्री ने कहा, 'यह कर्फ्यू तय करेगा कि हम कोरोना से लड़ाई के लिए कितने तैयार हैं।'

कोविड-19 टास्क फोर्स गठित : कोरोना के आर्थिक पहलू से भी जनता को रूबरू कराते हुए विकसित देशों पर भी इसका प्रभाव दिख रहा है। ऐसे में 130 करोड़ की आबादी वाले विकास के प्रयत्नशील भारत के सामने कोरोना का संकट बड़ा है। उन्होंने केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में गठित कोविड-19 टास्क फोर्स का हवाला देते हुए कहा कि आर्थिक पहलू से निपटने के लिए फैसले लिए जाएंगे। उन्होंने व्यापारी व उच्च वर्ग से आग्रह किया कि जिन-जिन लोगों से सेवाएं लेते रहे हैं उनका ध्यान रखें। वेतन न काटें तथा पूरी मानवीय संवेदनशीलता के साथ फैसला करें। प्रधानमंत्री ने आश्वस्त किया कि दवाइयां या खाने-पीने की कमी नहीं हो इसके लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। जरूरी सामान संग्रह करने की होड़ न लगाएं।

आपका अखबार भी दूध ब्रेड जितना ही सुरक्षित

कोरोना वायरस के संक्रमण ने एक बहुत बड़ी चुनौती पेश कर दी है। इस चुनौती से पार पाने में दैनिक जागरण भी आपके साथ है। किसी को भी डरने या घबराने की जरूरत नहीं, लेकिन साफ-सफाई के साथ सेहत के प्रति अतिरिक्त सावधानी बरतने की आवश्यकता बढ़ गई है। यह भी जरूरी है कि भीड़-भाड़ से बचें और अफवाहों पर ध्यान न दें। दैनिक जागरण आपके स्वास्थ्य को लेकर उतना ही सजग है जितना आप खुद। पाठकों के प्रति अपने नैतिक दायित्व के तहत हम अखबार के प्रकाशन से लेकर उसे आपके घर पहुंचाने तक की पूरी प्रक्रिया में इस बात का अतिरिक्त ध्यान रख रहे हैं कि वह हर तरह से सुरक्षित रहे। अखबार के सुरक्षित प्रकाशन और वितरण में हम स्वास्थ्य के सभी जरूरी और साथ ही उच्च मानदंडों का पालन सुनिश्चित कर रहे हैं। अखबार छापने की प्रक्रिया ऑटोमैटिक है और इसे जिस वातावरण में प्रकाशित किया जाता है वह पूरी तरह सैनिटाइज है। इसके अतिरिक्त हमारे वितरक यह भी सुनिश्चित कर रहे हैं कि जो कर्मयोगी आपके घरों तक अखबार पहुंचाते हैं वे भी सैनिटाइज हों। यह कदम हमने अपने वितरकों और कर्मयोगियों के साथ-साथ आपके स्वास्थ्य की रक्षा को ध्यान में रखकर ही उठाया है।

दैनिक जागरण

अखबार के सुरक्षित प्रकाशन और वितरण में सुनिश्चित किया जा रहा स्वास्थ्य के सभी जरूरी और साथ ही उच्च मानदंडों का पालन

इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के अनुसार अभी हमारे देश में कोरोना वायरस का संक्रमण दूसरे दौर में है। इसमें खतरा केवल इस वायरस से संक्रमित व्यक्ति अथवा उसके सीधे संपर्क में आने वालों से ही है। इसी कारण हमारा देश संक्रमण के व्यापक फैलाव वाले तीसरे दौर से बचा हुआ है। जिन देशों में कोरोना वायरस का संक्रमण तीसरे दौर में पहुंच गया है यानी समुदाय के स्तर पर फैल गया है वहां भी दूध, ब्रेड आदि के साथ समाचार पत्रों की आपूर्ति निर्बाध ढंग से जारी है।

कोरोना वायरस को लेकर सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही भ्रामक सूचनाओं एवं अन्य अपुष्ट अथवा अधकचरी जानकारियों से आपको बचाने के लिए भी हम विशेष सजगता बरत रहे हैं। दैनिक जागरण जो भी खबरें और सूचनाएं आप तक पहुंचाता है वे प्रामाणिकता और विश्वसनीयता के उत्कृष्ट एवं कड़े मानदंडों से होकर गुजरती हैं जिन पर आप सहज ही भरोसा कर सकते हैं। निश्चिंत रहिए, आपका अखबार भी उतना ही सुरक्षित है जितना आपके घरों में पहुंचने वाला दूध या ब्रेड। कोरोना वायरस से लड़ने में हम आपके साथ हैं। आपकी तरह हमें भी यह भरोसा है कि सबके सहयोग से हम यह लड़ाई लड़ेंगे भी और जीतेंगे भी।

भारत ने खुद को किया बाकी दुनिया से आइसोलेट

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

कोरोना से जंग में पूरी तरह सतर्क व सक्रिय केंद्र सरकार ने बाकी दुनिया से एक सप्ताह के लिए देश को आइसोलेट यानी अलग कर लेने का फैसला किया है। सरकार ने 22 से 29 मार्च तक सभी देशों से आने-जाने वाली उड़ानों पर रोक का एलान किया है। किसी विशेष परिस्थिति में ही उड़ान की अनुमति होगी। अभी तक यूरोपीय संघ के अलावा पांच देशों से ही उड़ानों पर प्रतिबंध था।

देश के अंदर भी आवाजाही को सीमित करने का व्यापक इंतजाम किया गया है। सरकारी दफ्तरों में 50 फीसद कर्मचारियों के लिए वर्क फ्रॉम होम की व्यवस्था करने और बाकी को तीन स्लॉट में दफ्तर बुलाने का निर्देश भी दिया गया है। दरअसल भारत के लिए यह दौर कम्युनिटी ट्रांसमिशन के लिहाज से बहुत संवेदनशील है। ऐसे में सख्ती संग बचाव के उपाय शुरू हो गए हैं।

सरकार की कवायद

- कम्युनिटी ट्रांसमिशन को रोकने के लिए उठाए जा रहे अभूतपूर्व कदम
- 22 से 29 मार्च के बीच विदेश से सभी उड़ानों पर रोक, आना-जाना होगा बंद
- 50 फीसद सरकारी कर्मी घर से करेंगे काम, तीन ड्यूटी स्लॉट में होगा काम
- राज्यों को निजी कंपनियों में भी वर्क फ्रॉम होम सुनिश्चित कराने का निर्देश
- रेल और हवाई यात्रा पर मिलने वाली ज्यादातर रियायतें तत्काल प्रभाव से रद

श्रीनगर के खनयार इलाके में कोरोना संक्रमित मरीज पाए जाने के बाद गुरुवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मरीजों की पड़ताल के लिए घर-घर संपर्क अभियान चलाया और लोगों को जागरूक किया। एएनआइ

भारत अब तक उन चुनिंदा देशों में है, जो कोरोना के कहर को सीमित रखने में सफल रहे हैं। अब तक देश में जितने मामले आए हैं उनमें अधिकतर विदेश से संक्रमित होकर आए लोगों से फैले हैं। यहां अभी कम्युनिटी ट्रांसमिशन का मामला नहीं आया है यानी ऐसा कोई मरीज नहीं मिला है, जिसमें कोरोना से संक्रमित होने का माध्यम नहीं पता हो। वैज्ञानिकों का मानना है कि देश में कम्युनिटी ट्रांसमिशन अवश्यंभावी है। कोशिश सिर्फ यह होनी चाहिए कि इसकी गति कम हो। ऐसे में उड़ानें रोकने का फैसला अहम माना जा रहा है। फिलहाल रोजाना 300 उड़ानें विदेशों से आ रही थीं। अब भारत चौथा देश बन गया है जिसने सभी देशों से कुछ दिनों से लिए उड़ानें रोक दी हैं।

आंतरिक आवाजाही पर भी नजर पेज>>7

वायरस से देश में चौथी मौत

नई दिल्ली, प्रेट्र : देश में कोरोना वायरस के संक्रमण से गुरुवार को पंजाब में पहली और देश में चौथी मौत हुई, जबकि इस वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या बढ़ कर 177 हो गई है। इस महामारी को फैलने से रोकने के लिए कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में पाबंदियां लगाने के चलते वे आंशिक बंद जैसी स्थिति की ओर बढ़ रहे हैं। पिछले 24 घंटे में कोरोना से संक्रमण के 22 नए मामले सामने आए। गुरुवार को छत्तीसगढ़ व चंडीगढ़ में संक्रमण का पहला मामला दर्ज किया गया। देश में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या दिन पर दिन बढ़ती जा रही है इनमें 25 विदेशी नागरिक हैं। (पेज-6)

कोरोना का कहर : विशेष पेज >>5,6,7

सरोकार

इंदौर में कॉलेज की दीवार पर गौरैयों का आशियाना

इंदौर : इंदौर के एक कॉलेज ने परिसर की दीवारों में सैकड़ों छेद बनाए हैं, जिनमें सैकड़ों गौरैया घोंसला बनाकर रहती हैं। नजदीकी तालाब किनारे गौरैया पाइंट भी बनाया गया है, जहां इनके लिए दाना-पानी की भरपूर व्यवस्था है। कॉलेज की दीवारों पर बने ये छेद भले ही देखने में भद्दे लगते हों, लेकिन जब इनमें से गौरैया झांकती है, तो ये सजीव हो उठते हैं। (पेज-10)

जागरण विशेष

'थर्ड आई' लगा आंखों से ओझल नहीं होंगे दृष्टि बाधित

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के लखनऊ जिले के कक्षा दस के छात्र कुंवर दिव्यांश सिंह ने 'थर्ड आई' नामक डिजिटल चश्मा ईजाद किया है। यह चश्मा दृष्टि बाधित लोगों के लिए सहायक सिद्ध हो सकता है। रास्ते की बाधाओं को बताता चलेगा, साथ ही स्वजन को इनकी लोकेशन भी बताएगा। इस आविष्कार को नेशनल इंस्पायर अवार्ड ज्यूरी ने सराहा है। (पेज-10)

निर्भया के चारों दोषियों को फांसी आज

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

निर्भया के दोषियों के चौथे डेथ वारंट पर रोक लगाने से दिल्ली की पटियाला हाउस अदालत ने गुरुवार को इन्कार कर दिया। शुक्रवार यानी 20 मार्च की सुबह 5.30 बजे निर्भया के चारों दोषियों को फांसी दे दी जाएगी। इस वारदात में छह लोग शामिल थे। राम सिंह ने 2013 में जेल में ही फांसी लगा ली थी, जबकि एक नाबालिग सुधार गृह में रहने के बाद तीन साल पहले बाहर आ चुका है। अन्य चारों दोषियों अक्षय सिंह, मुकेश सिंह, पवन गुप्ता और विनय शर्मा ने अंतिम पलों तक फांसी टलवाने के प्रयास किए। निर्भया की मां ने कहा, बेटी की आत्मा को अब शांति मिलेगी। सात साल की कानूनी जंग के बाद उसे न्याय दिला पाई हूं।

चौथे डेथ वारंट को भी रोकने की कोशिश की गई : चौथे डेथ वारंट पर भी रोक लगवाने के लिए दोषियों के वकील एपी सिंह ने गुरुवार को भरपूर कोशिश की। लोक अभियोजक ने कोर्ट में कहा, दोषियों के पास कोई विकल्प नहीं बचा है। अंतिम क्षणों में भी जो याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट या राष्ट्रपति को दायर की गई हैं, सभी खारिज हो चुकी हैं। इस पर अधिवक्ता एपी सिंह ने कहा, ऐसा नहीं है मामला अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में है। इसके अलावा, अक्षय की पत्नी की तलाक की अर्जी और पवन से जेल में मारपीट का मामला भी विचाराधीन है। ऐसे में फांसी नहीं दे सकते।

हाई कोर्ट ने कहा, दोषियों का अब भगवान से मिलने का समय : दोषियों ने फांसी पर रोक लगवाने के लिए गुरुवार रात 8.30 बजे दिल्ली हाई कोर्ट में अति आवश्यक याचिका दायर की, जिसे पौने तीन घंटे की बहस के बाद खारिज कर दिया गया। पीठ ने बचाव पक्ष के वकील को फटकार लगाते हुए कहा कि दोषियों का भगवान से मिलने का समय नजदीक है और तथ्यों पर बहस करने के बजाय बेवजह की दलीलें देकर समय खराब न करें।

कानूनी विकल्प हो चुके थे खत्म पेज>>3

- दिल्ली की अदालत ने चौथे डेथ वारंट पर रोक लगाने से किया इन्कार
- गुनहगारों को फांसी के तख्ते तक पहुंचाने में लग गए सात बरस
- छह दोषियों में से एक राम सिंह ने 2013 में तिहाड़ जेल में फांसी लगा ली थी
- एक नाबालिग हो चुका रिहा, बाकी चारों ने फांसी टलवाने को तमाम प्रयास किए

निर्भया दुष्कर्म कांड के दोषी (ऊपर बाएं से) अक्षय ठाकुर और पवन गुप्ता, (नीचे बाएं से) मुकेश सिंह व विनय शर्मा की फाइल फोटो। प्रेट्र

> मैं उन सभी संदेह में घिरे लोगों को यह बता देना चाहता हूं कि गौतम बुद्ध और गांधी की इस महान धरती पर घिनौने और नृशंस अपराधियों के लिए न्याय भीड़ की सोच के बजाय कानून से होता है। कानून का लचीलापन मानवीय गलतियों को सुधारने के लिए है, न कि यह कमजोरी है। जो व्यक्ति कानून से राहत चाहता है, पहले उसे कानून की इज्जत करना सीखना चाहिए। ऐसे में मुझे लगता है कि फांसी पर रोक लगाने के लिए कोई ठोस कारण शेष नहीं है, इसलिए इस अर्जी को खारिज किया जाता है।
> -धर्मेंद्र राणा, अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, पटियाला हाउस कोर्ट

> दोषियों ने तमाम हथकंडे अपनाए। न्याय जरूर मिलता है। निर्भया को भी मिला है और पूरे पीड़ित परिवार को भी। हमारी लड़ाई अंजाम तक पहुंची है।
> -सीमा कुशवाहा, पीड़िता की वकील

> दोषियों को भारत-पाक के बॉर्डर पर भेज दो। उन्हें डोकलाम भेज दो, लेकिन फांसी देना सही नहीं है। चारों देश की सेवा करने के लिए हमेशा से तैयार।
> -एपी सिंह, दोषियों के अधिवक्ता

मध्य प्रदेश में शक्ति परीक्षण आज, बागी विधायकों के इस्तीफे देर रात मंजूर

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

मध्य प्रदेश में लगभग दो सप्ताह से कमल नाथ सरकार के बहुमत को लेकर बनी असमंजस की स्थिति शुक्रवार को साफ हो जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने कमल नाथ सरकार को शुक्रवार को विधानसभा में बहुमत साबित करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने यह भी कहा कि बहुमत परीक्षण का काम शुक्रवार शाम पांच बजे तक पूरा हो जाना चाहिए। अगर कांग्रेस के 16 बागी विधायकों में से कोई भी सदन की कार्यवाही में भाग लेने के लिए जाना चाहेगा तो उसे पूरी सुरक्षा मुहैया कराई जाएगी। कांग्रेस विधायकों की बगावत के मद्देनजर कमल नाथ सरकार के बहुमत परीक्षण में कामयाब होने की उम्मीद अब कम ही बची है। इस बीच देर रात विधानसभा अध्यक्ष एनपी प्रजापति ने 16 बागी विधायकों के इस्तीफे स्वीकार कर लिए हैं।

सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस हेमंत गुप्ता की पीठ ने तत्काल बहुमत परीक्षण का आदेश मांगने वाली भाजपा विधायकों की याचिका पर दो दिन तक चली मैराथन बहस सुनने के बाद ये आदेश जारी किए। कोर्ट ने कहा है कि मध्य प्रदेश विधानसभा जो 26 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी गई थी, उसे 20 मार्च को आहूत किया जाएगा। इस बैठक का एकमात्र एजेंडा बहुमत परीक्षण होगा। इसमें यह तय होगा कि मुख्यमंत्री कमल नाथ को सदन का बहुमत प्राप्त है अथवा नहीं। बहुमत परीक्षण के दौरान मतदान का तरीका बताते हुए कोर्ट ने कहा है कि सदस्य हाथ खड़े करके अपना मत प्रकट करेंगे। कोर्ट ने आदेश में राज्यपाल की 15 मार्च की चिट्ठी के अंश उद्धत किए हैं जिसमें कहा गया था कि वहां बटन दबाकर मत विभाजन दर्शाने का प्रावधान नहीं है।

कोर्ट ने आदेश दिया है कि विधानसभा की कार्यवाही की वीडियो रिकॉर्डिंग होगी और अगर सजीव प्रसारण के प्रावधान हैं तो वह भी सुनिश्चित किया जाए। कोर्ट ने सभी जिम्मेदार अथॉरिटीज और विधानसभा सचिव से यह सुनिश्चित करने को कहा है कि विधानसभा की कार्यवाही शांतिपूर्ण तरीके से चले और वहां कानून-व्यवस्था का कोई उल्लंघन न हो। कोर्ट ने कनार्टक और मध्य प्रदेश के डीजीपी को आदेश दिया है कि वे सुनिश्चित करें कि 16 विधायकों (कांग्रेस के बागी) को एक नागरिक के तौर पर अधिकारों का इस्तेमाल करने में किसी तरह की रुकावट या बाधा पैदा न हो और अगर वे या उनमें से कोई विधानसभा की कार्यवाही में हिस्सा लेना चाहें तो उन्हें पूरी सुरक्षा दी जाएगी।

बगावत से संकट में आए कमल नाथ पेज>>15

सुप्रीम कोर्ट फाइल फोटो

- सुप्रीम कोर्ट ने कमल नाथ सरकार को दिया है शाम पांच बजे तक बहुमत साबित करने का आदेश
- सरकार बचने की उम्मीद कम, हाथ खड़े करके अपना मत प्रकट करेंगे विधायक

कमल नाथ फाइल फोटो

बिफरा विपक्ष

अभूतपूर्व विरोध और वाकआउट के बीच पूर्व मुख्य न्यायाधीश का राज्यसभा में पहला दिन, रंजन गोगोई के सामने सदन में लगाए शर्म-शर्म के नारे, सभापति और कानून मंत्री ने किया मनोनीत सदस्य का बचाव

गोगोई की 'शपथ', एक दिन मेरा स्वागत करेंगे आप

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

राज्यसभा में मनोनयन के साथ ही पूर्व चीफ जस्टिस रंजन गोगोई को लेकर शुरू हुआ विवाद और विरोध उनके शपथग्रहण तक चरम पर पहुंच गया। विपक्ष के जबरदस्त विरोध, नारेबाजी व वाकआउट के बीच गोगोई ने गुरुवार को राज्यसभा सदस्य के तौर पर शपथ ली। कांग्रेस की अगुआई में कई विपक्षी दलों ने गोगोई के शीर्ष न्यायपालिका के पद के साथ समझौता करने का आरोप लगाया। संसदीय इतिहास में यह शायद पहला मौका था जब किसी सदस्य ने इतने विरोध के बीच शपथ ली हो। विरोध के सुर इतने तीखे और अप्रत्याशित थे कि विपक्षी सदस्यों ने उनके सामने ही शर्म-शर्म के नारे लगाए। सदन में असहज दिखने के बावजूद शांत बने रहे गोगोई ने बाहर यह कहते हुए विपक्ष को जवाब देने की कोशिश की कि 'जल्द ही वे उनका स्वागत करेंगे और स्नेह भी करने लगेंगे।'

राज्यसभा की कार्यवाही शुरू होते ही सभापति वेंकैया नायडू ने सबसे पहले रंजन गोगोई को शपथ के लिए बुलाया। तभी विपक्षी सदस्यों ने गोगोई की ओर शर्म-शर्म के नारे लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। कांग्रेस के एके एंटनी, आनंद शर्मा, जयराम रमेश और दूसरे विपक्षी दलों के सदस्य अपनी सीटों से खड़े हो गए और आक्रामक अंदाज में शपथ के लिए बढ़ रहे गोगोई पर शीर्ष न्यायिक पद पर रहते हुए सरकार से 'डील' करने के आरोप लगाए। कुछ ने तो यहां तक कह डाला कि सरकार के हक में फैसला देने के लिए गोगोई को यह इनाम मिला है।

इस जबरदस्त विरोध से असहज नजर आ रहे गोगोई की शपथ सुनिश्चित कराते हुए सभापति ने विपक्षी सदस्यों के एतराज को अनुचित ठहराया। सत्तापक्ष के सदस्यों ने विपक्षी आक्रमण के हमले को थामने के लिए मेजें थपथपाई। तब गोगोई ने अंग्रेजी में बतौर राज्यसभा सांसद शपथ ली। इसका विरोध करते हुए विपक्षी दलों ने उनके शपथ का बहिष्कार करते हुए सदन से वाकआउट किया।

संसद के दोनों सदनों में किसी सदस्य के शपथ का इतना तीखा विरोध का कोई दूसरा उदाहरण नहीं है। नये सदस्य का आमतौर पर गर्मजोशी से तालियां बजाकर स्वागत होता है। वैसे शपथ से पूर्व ही राज्यसभा के रिकार्ड में जस्टिस गोगोई की जगह श्री गोगोई हो गए। सदन की कार्यसूची में शपथ लेने के लिए उनके नाम के आगे श्री शब्द का उपयोग किया गया। शपथ लेने के बाद गोगोई सत्ता पक्ष की बेंच की ओर गए और हाथ जोड़कर सभी का अभिवादन किया। इसके बाद छठी पंक्ति में सोनल मान सिंह की बगल में बैठ गए।

विपक्ष का रवैया सदन के आचरण के खिलाफ पेज>>3

रंजन गोगोई के गुरुवार को राज्यसभा में शपथ लेते समय हंगामे के बाद वॉकआउट करते विपक्षी दल। एएनआइ

यस बैंक मनी लांड्रिंग मामले में अनिल अंबानी से नौ घंटे पूछताछ

मुंबई, प्रेट्र : यस बैंक के प्रमोटर राणा कपूर और अन्य के खिलाफ मनी लांड्रिंग की जांच के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी से नौ घंटे तक पूछताछ की। जांच एजेंसी ने प्रिवेंशन ऑफ मनी लांड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत उनका बयान भी रिकॉर्ड किया। उन्हें 30 मार्च को फिर बुलाया गया है। उनके अलावा ईडी ने कॉक्स एंड किंग्स के पीटर केरकर से भी पूछताछ की।

अनिल अंबानी गुरुवार सुबह 9.30 बजे ईडी के बल्लार्ड इस्टेट स्थित दफ्तर पहुंचे और पूछताछ के बाद शाम करीब सात बजे वहां से निकले। अफसरों ने बताया कि अनिल यस बैंक से लेनदेन और अपनी कंपनियों के बारे में कुछ अन्य जानकारियां नहीं दे पाए। लिहाजा उनसे 30 मार्च को दस्तावेजों के साथ आने के लिए कहा गया है। बताते हैं कि अनिल के ग्रुप की नौ कंपनियों ने यस बैंक से 12,800 करोड़ रुपये का कर्ज लिया है। अनिल को पहले सोमवार को पूछताछ के लिए बुलाया गया था, लेकिन निजी कारणों से उन्होंने इससे छूट हासिल कर ली थी। इसके बाद ईडी ने उन्हें 19 मार्च को पेश होने को कहा था।

रिलायंस ग्रुप ने कहा, पूरा लोन सिक्योर्ड : अनिल अंबानी से पूछताछ के बाद रिलायंस ग्रुप के प्रवक्ता ने बयान जारी कर कहा, यस बैंक से लिया गया पूरा कर्ज सिक्योर्ड है और उसे सामान्य कारोबार के क्रम में लिया गया था। विभिन्न परिसंपत्तियों के मौद्रिकरण कार्यक्रम के जरिये रिलायंस ग्रुप यस बैंक से लिए गए सभी कर्जों के भुगतान को प्रतिबद्ध है। कंपनी ने कहा है कि उसका यस बैंक के पूर्व सीईओ, उनके परिजनों अथवा उनके द्वारा नियंत्रित किसी भी कंपनी से कोई संबंध नहीं है।

सुभाष चंद्रा को नया समन जारी पेज>>12